8 शीला का साहस

चमनपुर गाँव पहाड़ियों के बीच बसा हुआ था। गाँव से थोड़ी दूर पाठशाला थी। पाठशाला के रास्ते में घने पेड़ और झाड़ियाँ थीं। पास ही नाला बहता था। नाला पार करके शाला जाना पड़ता था। छोटे बच्चे अकेले आते–जाते डरते थे। इसलिए वे बड़े बच्चों के साथ ही आते–जाते थे।

शीला उसी शाला में पाँचवीं कक्षा में पढ़ती थी। वह अपने मोहल्ले के बच्चों को साथ लाती और ले जाती थी।

बरसात के दिन थे। शीला बच्चों को लेकर शाला जा रही थी। बच्चे आगे–पीछे उछलते–कूदते चल रहे थे।

शीला ने देखा, आज नाले में बहाव तेज है। उसने बच्चों को एक–दूसरे के हाथ पकड़वाए और नाला पार करवाने लगी। अचानक मनीष का हाथ छूट गया। वह गिर पड़ा और पानी के साथ बहने लगा।

शीला घबराई। उसने तुरंत अपना बस्ता दूसरे को थमाया और तेजी से तैरने लगी। उसकी साँस फूल गई लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी।

वह मनीष के पास पहुँची और उसका हाथ पकड़ लिया। शीला उसे खींचकर किनारे लाई। वह थक कर गिर पड़ी। इतने में कुछ बच्चे और गुरुजी दौड़ते हुए आ गए। शीला के इस साहस की बात चारों तरफ फैल गई। सभी ने उसकी प्रशंसा की।

साहस से जो करता काम, जग में होता उसका नाम।

निर्देश : शिक्षक बच्चों में साहस एवं उत्तरदायित्व की भावना का विकास करें, साथ ही इससे मिलती जुलती साहस दिखाने वाली कहानी सुनाएँ।

शब्द–अर्थ

मोहल्ला – गली

शाला – विद्यालय

प्रशंसा – तारीफ

1. पढ़ें और समझें

बच्चों, मोहल्ला, प्रशंसा, झाडियाँ, पाँचवीं, बस्ता

2. उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थान भरें

(उछलते–कूदते, पाँचवीं, शीला, शाला, पानी)

1. ..... बच्चों को लेकर ..... जा रही थी।

2. शीला ..... कक्षा में पढ़ती थी।

3. बच्चे आगे–पीछे ..... चल रहे थे।

4. वह गिर पड़ा और ..... के साथ बहने लगा।

3. उल्टे अर्थ वाले शब्द लिखें

दूर– पास, छोटे – .....

आना– ..... दिन – .....

4. एक शब्द में उत्तर लिखें

- पाठशाला के रास्ते में क्या बहता था ?
- मोहल्ले के बच्चों को शाला तक कौन अपने साथ लाती थी
- पानी में कौन गिर पड़ा था ?

5. सुंदर लेख लिखें

साहस से जो करता काम, जग में होता उसका नाम।

.....

.....

.....

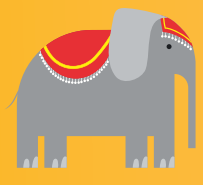

केवल पढ़ने के लिए

साफ हाथ में है दम

सबसे पहले होता है हाथ गीला,
फिर हाथ पे नाचे साबुन रंगीला।

हाथ से होता है फिर हाथ का साथ
फिर घूम के आगे पीछे साबुन से खेले हाथ।

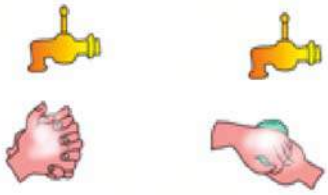

खेलो अब उँगलियों में घुसकर,
फिर चलाओ हथेलियों पर नाखूनों का चक्कर।

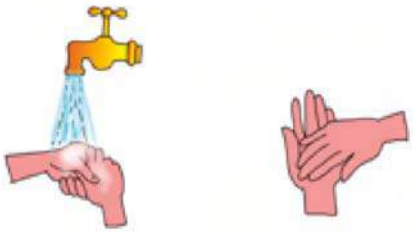

हाथ करें फिर पानी में छम–छम,
क्योंकि, साफ हाथ में ही है दम।
खाने से पहले शौच के बाद....
हम सब धोएँ साबुन से हाथ।

खाने से पहले शौच के बाद.... हम सब धोएँ साबुन से हाथ